अमर उजाला
बरेली
सोमवार, 3 जनवरी 2022
पौष शुक्ल-प्रतिपदा
विक्रम संवत-2078

Page No. 08 : Middle

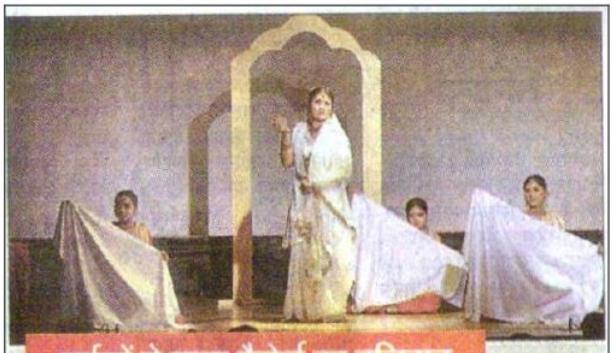

दर्शकों ने जाना कैकई का बलिदान

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम अश्वनी कुमार का लिखित नाटक 'मैं पापिनी क्यों' का मंचन हुआ। कैकई के चरित्र पर आधारित नाटक में उनके त्याग, बलिदान को खूबसूरती से दर्शाया गया। नाटक की शुरुआत रानी कैकई के महराज दशरथ से मांगे गए दो वचन राम को चौदह वर्षों का वनवास और उनके पुत्र भरत को अयोध्या का राजा बनाने से होती है। नाटक में आगे दिखाया गया कि जब भरत को इस बात का पता चलता है तो वह माता कैकई पर क्रोधित होते हैं। *विज्ञप्ति*

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 03 जनवरी 2022, बरेली, पंच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

Page No. 06 : Middle

कैकई ने रचा राम का चरित्र, रिद्धिमा में 'मैं पापिनी क्यों' का मंचन

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम लेखक अश्वनी कुमार द्वारा लिखित नाटक 'मैं पापिनी क्यों' का मंचन किया गया।

बरेली | कार्यालय संवाददाता

एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम लेखक अश्वनी कुमार द्वारा लिखित नाटक 'मैं पापिनी क्यों' का मंचन किया गया। कैकई चरित पर आधारित नाटक में उनके त्याग और बलिदान को खूबसूरती से दर्शाया गया।

नाटक की शुरुआत रानी कैकई के महाराज दशरथ से मांगे गए दो वचनों से होती है। जब भरत को पता चलता है तो वह माता कैकई पर क्रोधित होते हैं। कैकई ने बताया कि राम से बहुत प्रेम करती है और उन्हें खोना नहीं चाहती थी, इसलिए उन्होंने राम के लिए चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। कैकई यह भी नहीं चाहती थी, राम रघुवंश के नाश का कारण बने और उन्होंने यह वरदान मांगा कि भरत को राज्य दिया जाए। क्योंकि, उन्हें ज्ञात था। भरत कभी राजगद्दी नहीं अपनाएंगे। उन्हीं वचनों को मांगकर रघुकुल का नाश होने से बचा लिया और खुद को सबकी नजरों में पापिन बना दिया। कैकई का किरदार डा. दीपशिखा जोशी, श्रीराम का किरदार अंशुमन, दशरथ का किरदार मोहसिन खान, भरत का आयुष्मान मिश्रा, श्रवण कुमार का शिवम यादव, अश्वपति का विनायक श्रीवास्तव, शंभासुर का अखिलेश शर्मा, शांतनु का अभिनव, इंद्र का प्रतुल, बाली का गौरव धीरज और श्रवण की मां ज्ञानवती का किरदार संजीवनी महान ने निभाया। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, एडवाइजर सुभाष मेहरा, डा. रीता शर्मा, आशीष कुमार थे।